ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य

UPPCS

मासिक
उपभोग खर्च

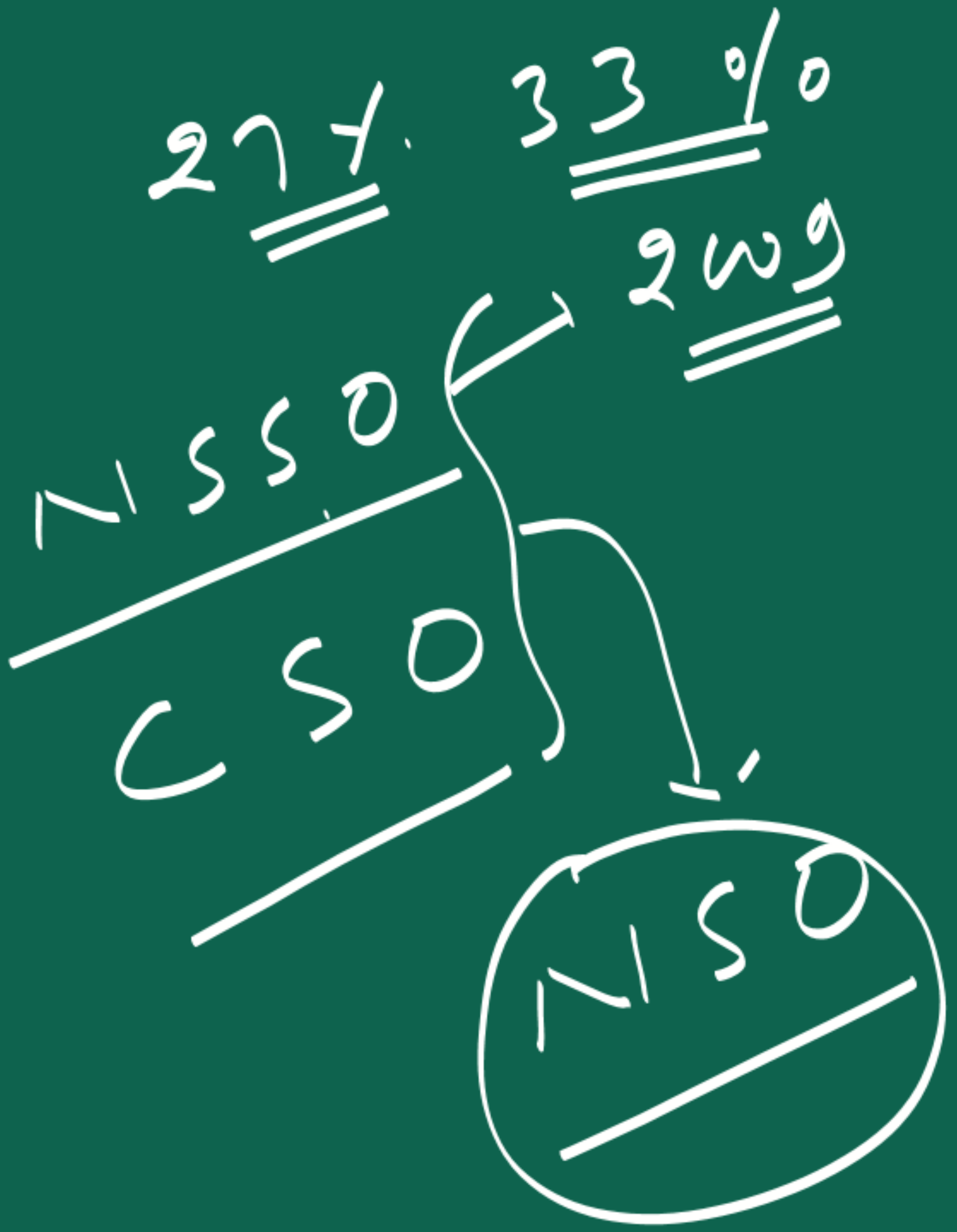

यह कहा जा सकता है कि बेरोजगारी के अध्ययन में Job-seekers (रोजगार की तलाश करने वाले लोग।) को ध्यान में रखा जाता है।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि अनैच्छिक बेरोजगारी (Involuntary Unemployment) ही बेरोजगारी है।

↓

Survey आदि

यदि किसी देश में Working age के लोगों का अनुपात कुल जनसंख्या में सर्वाधिक हो तो इसे Demographic Dividend (जननांकीय लाभांश) की स्थिति कहते हैं जो भारत में भी देखने को मिलती है।

बेरोजगारी के मुख्य

(i) चक्रीय बेरोजगारी (Cyclical Unemp.)

↓

यह बेरोजगारी आर्थिक उतार-चढ़ावों के दौरान उत्पन्न होती रहती है।

यह मुख्य रूप से बाजार-आधारित पूँजीवादी राष्ट्रों में उत्पन्न होती रहती है जिसका मुख्य कारण <u>समग्र माँग</u> में कमी को माना जाता है।

में मुख्य रूप से देखने को मिलती है।

इसका मुख्य कारण अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियाँ होती है जैसेकि लोगों में कुशलताओं (Skills) की कमी, श्रम बल में वृद्धि के सापेक्ष में पर्याप्त औद्योगीकरण (Industrialisation) का नहीं होना आदि।

ये बेरोजगारी लम्बे समय तक बनी रहती है।

यह ध्यान देने योग्य है कि भारत की बेरोजगारी की मुख्य प्रकृति संरचनात्मक है। (UPSC Mains 2023)

यह बेरोजगारी अधिक चुनौतीपूर्ण है।

कुशलता विकास, बचत, निवेश, पूंजी निर्माण आदि पर ध्यान देकर दीर्घकाल में इस बेरोजगारी को धीरे-2 कम किया जा सकता है।

वह स्थिति जिसमें लोग किसी कार्य में बिना उत्पादकता या नकारात्मक उत्पादकता के साथ संलग्न रहते हैं।

सैद्धान्तिक रूप से छिपी बेरोजगारी में श्रम का सीमान्त उत्पादन (Marginal Product of Labour) या तो शून्य रहता है या नकारात्मक रहता है।

यदि किसी कार्य स्थान पर श्रम-रोजगार को एक इकाई से बदला जाये तो उसके कारण कुल उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव को श्रम का सीमान्त उत्पादन कहते हैं।

1.	10
2.	20
3.	28
4.	33
5.	35
6.	35
7.	33

भारत में

परिवार संँचालित खेतों

में

(i) जनसंख्या का दबाव।

(ii) रोजगार के वैकल्पिक अवसरों की कमी।

Non-farm activities (गैर-कृषि गतिविधियों) का विकास करके

यह निम्न कारणों से उत्पन्न होती है -

(i) उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी नहीं होना।

(ii) वर्तमान रोजगार को छोड़कर किसी नये रोजगार की तलाश करना।

(iii) Upskilling आदि के लिए रोजगार छोड़ना।